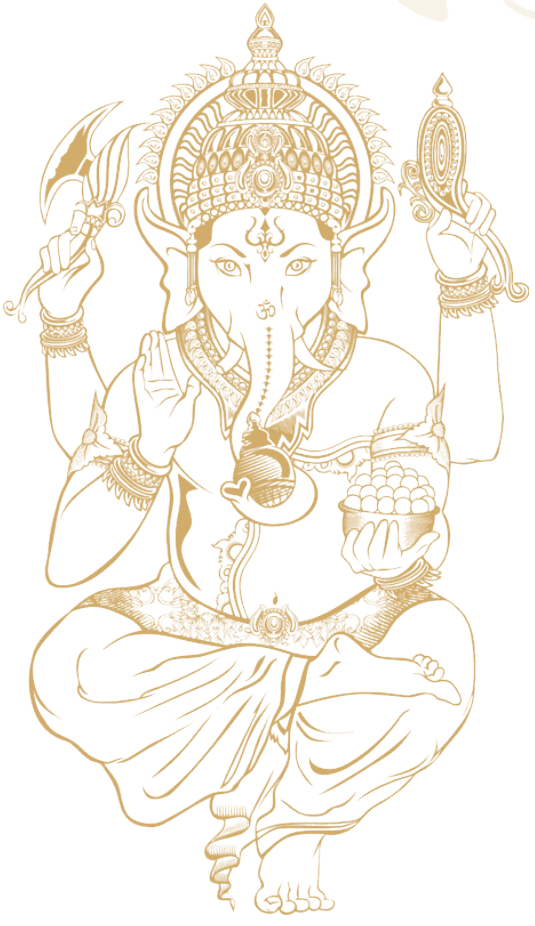

Chhotu Kumar

16 Feb 2010

03:00 AM

Katihar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121254603

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15-16/02/2010**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**03:00:00 घंटे**
इष्ट	51:52:06 घटी
स्थान	**Katihar**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:33:00 उत्तर
रेखांश	87:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:20:16 घंटे
वेलान्तर	-00:14:10 घंटे
साम्पातिक काल	13:03:22 घंटे
सूर्योदय	06:15:09 घंटे
सूर्यास्त	17:32:55 घंटे
दिनमान	11:17:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	03:05:25 कुम्भ
लग्न के अंश	09:35:14 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शिव
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	से-सेनजित
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	09:35:14	336:33:31	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	---
सूर्य			कुंभ	03:05:25	01:00:37	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	22:26:28	11:58:54	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
मंगल	व		कर्क	09:37:53	00:17:26	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	नीच राशि
बुध			मक	14:01:25	01:30:00	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	सम राशि
गुरु			कुंभ	12:42:18	00:14:24	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
शुक्र			कुंभ	11:29:38	01:15:07	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मित्र राशि
शनि	व		कन्या	09:41:33	00:03:17	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		धनु	26:37:43	00:06:50	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	नीच राशि
केतु	व		मिथु	26:37:43	00:06:50	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	शुक्र	नीच राशि
हर्ष			मीन	00:56:15	00:03:08	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	---
नेप			कुंभ	02:11:28	00:02:17	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	---
प्लूटो			धनु	10:46:00	00:01:30	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
दशम भाव			कन्या	23:11:17	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:00:12

लग्न-चलित

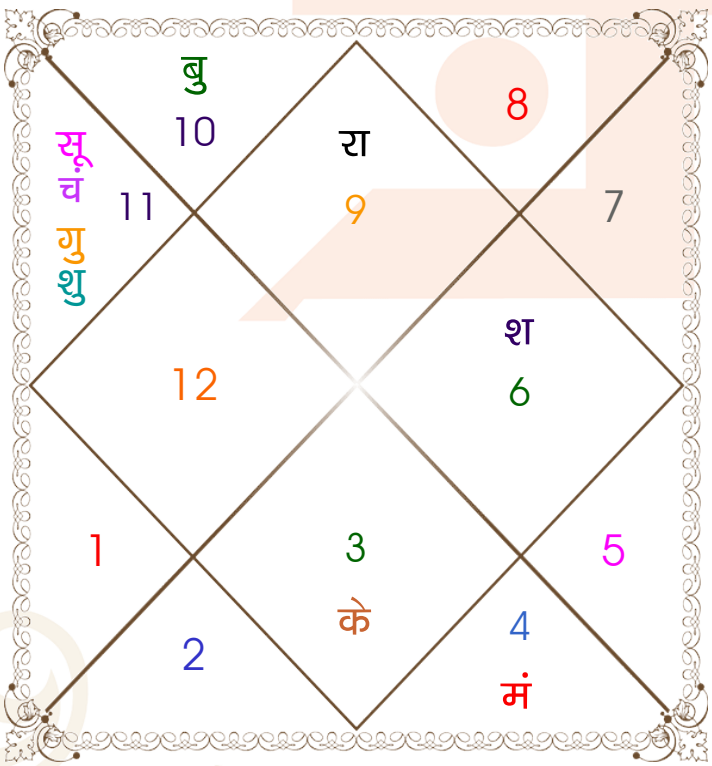

चन्द्र कुंडली

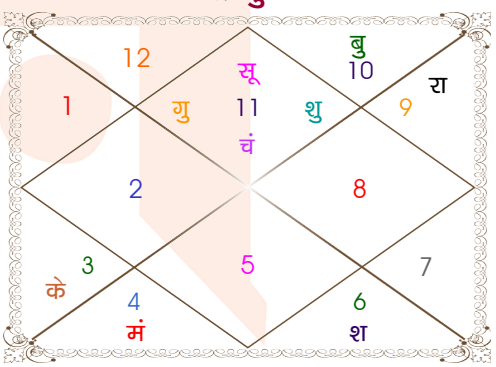

नवमांश कुंडली

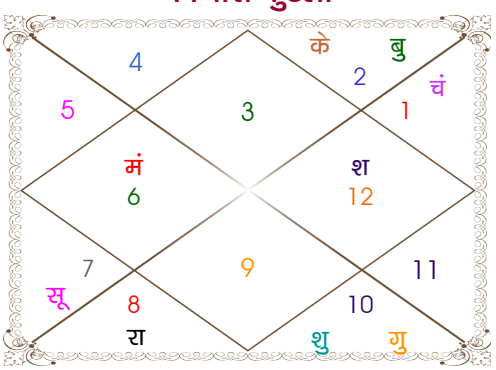

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 13 वर्ष 0 मास 25 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
16/02/2010		14/03/2023		13/03/2042		14/03/2059		13/03/2066	
14/03/2023		13/03/2042		14/03/2059		13/03/2066		13/03/2086	
	16/02/2010	शनि	17/03/2026	बुध	09/08/2044	केतु	10/08/2059	शुक्र	13/07/2069
शनि	12/11/2011	बुध	24/11/2028	केतु	06/08/2045	शुक्र	09/10/2060	सूर्य	13/07/2070
बुध	17/02/2014	केतु	02/01/2030	शुक्र	06/06/2048	सूर्य	14/02/2061	चंद्र	13/03/2072
केतु	24/01/2015	शुक्र	04/03/2033	सूर्य	13/04/2049	चंद्र	15/09/2061	मंगल	13/05/2073
शुक्र	24/09/2017	सूर्य	14/02/2034	चंद्र	12/09/2050	मंगल	11/02/2062	राहु	13/05/2076
सूर्य	13/07/2018	चंद्र	15/09/2035	मंगल	09/09/2051	राहु	02/03/2063	गुरु	12/01/2079
चंद्र	12/11/2019	मंगल	24/10/2036	राहु	29/03/2054	गुरु	05/02/2064	शनि	13/03/2082
मंगल	18/10/2020	राहु	31/08/2039	गुरु	04/07/2056	शनि	16/03/2065	बुध	11/01/2085
राहु	14/03/2023	गुरु	13/03/2042	शनि	14/03/2059	बुध	13/03/2066	केतु	13/03/2086

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
13/03/2086		13/03/2092		14/03/2102		14/03/2109		15/03/2127	
13/03/2092		14/03/2102		14/03/2109		15/03/2127		00/00/0000	
सूर्य	01/07/2086	चंद्र	11/01/2093	मंगल	11/08/2102	राहु	25/11/2111	गुरु	02/05/2129
चंद्र	31/12/2086	मंगल	12/08/2093	राहु	29/08/2103	गुरु	20/04/2114	शनि	17/02/2130
मंगल	08/05/2087	राहु	11/02/2095	गुरु	04/08/2104	शनि	24/02/2117		00/00/0000
राहु	31/03/2088	गुरु	12/06/2096	शनि	13/09/2105	बुध	13/09/2119		00/00/0000
गुरु	17/01/2089	शनि	12/01/2098	बुध	10/09/2106	केतु	01/10/2120		00/00/0000
शनि	30/12/2089	बुध	13/06/2099	केतु	06/02/2107	शुक्र	02/10/2123		00/00/0000
बुध	06/11/2090	केतु	12/01/2100	शुक्र	07/04/2108	सूर्य	25/08/2124		00/00/0000
केतु	14/03/2091	शुक्र	13/09/2101	सूर्य	13/08/2108	चंद्र	24/02/2126		00/00/0000
शुक्र	13/03/2092	सूर्य	14/03/2102	चंद्र	14/03/2109	मंगल	15/03/2127		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 13 वर्ष 0 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के तृतीय चरण में धनु लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मिथुन नवांश एवं धनु राशीय द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार आपके जीवन की परियोजना से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप धन-धान्य से पूर्ण, स्वस्थ्य एवं प्रसन्नतम जीवन यापन करने वाले प्राणी है। निःसंदेह एक भाग्यशाली होकर उत्पन्न हुए हैं।

आप हर परिस्थिति में अपने पक्ष एवं अपनी भलाई की आकांक्षा रखते हैं। आपका व्यक्तित्व आकर्षक एवं प्रतिभा संपन्न है। आप एक संवादपटु, दिलचस्प, उच्चस्तरीय, विवेकी प्राणी हैं। आप निर्भिक प्रभावशाली एवं जनसामान्य की दृष्टि में सच्चा व्यक्ति हैं। यदि कोई अन्य व्यक्ति आपको गलत दिशा निर्देश कर आपकों मुश्किल में डालना चाहता है, तो आप भ्रमित नहीं होते क्योंकि आप एक प्रसन्नतम परिवारिक जीवन से युक्त हो।

एक अच्छा व्यक्ति इससे अधिक और क्या अभिलाषा कर सकता है। आप स्वास्थ्य के दृष्टि से पूर्ण स्वस्थ्य रहेंगे। आपको व्यक्तिगत रूप से यह निर्देश है कि कुछ वर्षो के पश्चात जैसे वायु रोग गठिया, अल्सर, कफ, जुकाम, सर्दी तथा रक्तचाप जैसे रोगों से पूर्ण सत्तर्क रहे।

यदि आप पूर्व में इन रोगों के प्रति यदि सर्त्तकता नहीं बरते तो आपको दुःखी होकर रहना पड़ेगा। आप अपनी अच्छी उन्नति हेतु धर्म एवं दर्शन के प्रति दिलचस्पी लेकर संबंधित अच्छी भावनाओं से युक्त होकर गहन अध्यय कर सकते हैं। क्योंकि जीवन एक दर्शन है तथा आप धार्मिक दान-प्रदान हेतु कुछ धन का सदुपयोग कर सकते हैं।

आप अपनी अवस्था के 27 वें वर्ष में अथवा 31 वें वर्ष में अकस्मात् महान धनी हो सकते हैं। अन्यथा उपरोक्त दोनों समय में से कोई दो वर्ष आपके लिए अत्यधिक लाभजनक समय रहेगा। इस समय आप संगठनात्मक सेमिनार एवं सामूहिक वाद-विवाद का अच्छा संगठनात्मक आयोजन की क्षमता प्राप्त करेंगे। आप स्वभावगत अतिरिक्त योग्यता के अनुसार अपने भाषण के प्रभाव से लोगों को प्रभावित कर बुद्धिमानी में प्रवीणता प्राप्त कर लेंगे। यदि आप इस कार्य में अच्छी प्रकार उभर कर आए तो आपको यह आशा रहेगी कि आप आगे भी अपने कार्य में निश्चित सफलता प्राप्त कर सकते है। क्योंकि इससे मात्र आपका अस्तित्व ही नहीं बढ़ेगा बल्कि आपके विषय से संबंधित क्षेत्र भी विस्तृत होगा।

यद्यपि आप एक समझदार पत्नी एवं अच्छी संतान प्राप्त कर सर्व प्रकार से परिवारिक जीवन को मधुरतम एवं आनंददायक अनुभव करेंगे। क्योंकि आप छोटी-छोटी बातों को सोचकर क्रोधित हो जाते हो तथा शीघ्रता पूर्वक आपकी उत्तेजना का अंत हो जाता है। परिणामस्वरूप आप स्वतः अपनी गुस्ताखी का अहसास करते हो। आप इस प्रकार की वाह्य आक्रोश पर नियंत्रण रखे।

आपके व्यवसायों में अनुकूल पेशा, वकालत, लेखक, वक्ता, राजनीति अथवा धार्मिक प्रचारक का कार्य उत्तम प्रमाणित होता है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत

उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में महत्वपूर्ण अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक प्रभावशाली है। शेष अंक 2, 7 एवं 9 अंक त्याजनीय हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीम रंग, नारंगी, नीला, हरा एवं सूआपंखी रंग शुभता प्रदायक है। परंतु रंग लाल, मोतिया एवं काला रंग प्रतिकूल है।